पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

नरगिस फाखरी ने जयपुर में खुद बनाई कुल्हड़ वाली चाय

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 106 ■ गुरुवार 2 जुलाई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

ठाणे जिले में 3 दिन का अलर्ट जारी

सड़कें जलमग्न, कई इलाके डूबे

जगह-जगह भारी ट्रैफिक जाम

लोकल रेल सेवा पर भी पड़ा असर

ठाणे : ठाणे जिले में मंगलवार को शुरू हुई बारिश बुधवार को दिन भर तेज रही, वहीं मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों यानी 2 से 4 जुलाई के बीच ठाणे जिले समेत पूरे कोंकण इलाके में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। इस संदर्भ में ठाणे जिला प्रशासन ने नागरिकों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने और अलर्ट रहने की अपील की है। महाराष्ट्र और उत्तरी केरल तट के बीच एक कम दबाव का क्षेत्र बना है और कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के बीच एक मिड-ट्रोपोस्फेरिक ट्रफ लाइन फैल गई है। इस मौसम सिस्टम के असर से, भारत मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि 2 से 4 जुलाई के बीच ठाणे जिले समेत पूरे कोंकण इलाके में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होगी।

ठाणे, मुंब्रा में सड़कें पानी में डूबीं

- सड़क ट्रैफिक लगभग रुका
- रेल ट्रैफिक पर भी असर

ठाणे. बुधवार को ठाणे जिले में दिन भर हुई बारिश से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जिले में मुंबई नासिक हाईवे, मुंब्रा बाईपास, शिलफाटा, MDC-महापे रोड, काशेली-काल्हेर रोड पर भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। इस वजह से घरों से निकले मजदूरों को घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहना पड़ा। साथ ही, रेलवे ट्रैफिक पर भी असर पड़ा और ट्रेनें 15 से 20 मिनट देरी से चल रही हैं।

बारिश की वजह से ठाणे और मुंब्रा शहरों के कुछ हिस्सों में सीवर का पानी सड़कों पर आ जाने से लोगों को पानी से होकर गुजरना पड़ा। इस वजह से पैदल चलने वालों और ड्राइवरों को परेशानी हुई।

शिलफाटा में रशीद कंपाउंड एरिया में घुटनों तक पानी जमा हो गया था। शिलफाटा एरिया में बड़े-बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बने हैं। लेकिन कई जगहों पर कुछ कंस्ट्रक्शन वर्कर्स ने पानी निकालने वाले नालों को ब्लॉक कर दिया था। इसका खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

कुछ ही घंटों में हुई बारिश की वजह से नगर निगमों के काम ठप हो गए। कल्याण-डोंबिवली मनपा ने नेतिवली पहाड़ी और पतरीपुल इलाकों में पहाड़ियों पर रहने वाले लोगों के लिए चेतावनी जारी की।

ठाणे शहर में बुधवार सुबह से ही बारिश शुरू हो गई थी। दोपहर 1.30 बजे तक 64.75 mm बारिश रिकॉर्ड की गई। सुबह से शुरू हुई बारिश की वजह से ठाणे मार्केट, वंदना सिनेमा एरिया, अलमेडा एरिया, गोखले रोड, तीन पेट्रोल पंप, कपूरबावड़ी समेत ठाणे शहर के कई निचले इलाकों में पानी जमा हो गया था। कुछ जगहों पर सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर आ गया था। इस वजह से गंदगी का साम्राज्य फैल गया था। फ्लाईओवर पर जमा पानी फ्लाईओवर के नीचे सड़क पर गिरने से फ्लाईओवर के नीचे झरने बन गए थे।

उल्हासनगर में भारी बारिश के बाद सैकड़ों लोगों के घरों में पानी घुसा

- मनपा प्रशासन के खिलाफ लोगों में गुस्सा

उल्हासनगर. मंगलवार रात से हो रही भारी बारिश की वजह से उल्हासनगर शहर के कैंप नंबर 4 इलाके की जीजामाता कॉलोनी में नाले का पानी घुस गया है, जिससे उस इलाके में पानी भर गया है। सैकड़ों लोगों के घरों में यह पानी घुसने से उन्हें काफी नुकसान हुआ है। उल्हासनगर-3 शिवाजी चौक के पास मोहन चाय के पीछे इमारत का कुछ हिस्सा गिरा वहीं उल्हासनगर-3 मनपा कार्यालय के पास एक टीजी इमारत की बालकनी भी गिरी.

नाले की ठीक से सफाई न होने का आरोप

जीजामाता कॉलोनी शहर के कैंप नंबर 4 इलाके का एक इलाका है और उस इलाके में बड़ी आबादी रहती है। पास में ही एक बड़ा नाला है और उस नाले की ठीक से सफाई न होने की वजह से मंगलवार रात से हो रही भारी बारिश की वजह से जाम हुए नाले का गंदा पानी सीधे उस इलाके के लोगों के घरों में घुस गया। आधी रात से ही उस इलाके के कई लोगों के घरों में पानी घुस गया है और उनके आधे घर डूब गए हैं। इसके अलावा, जीजामाता कॉलोनी से भी लोगों को घुटनों तक पानी से होकर निकलना पड़ा।

स्थानीय नगरसेवकों की लापरवाही से भरा पानी- गंगोत्री

आज मनपा प्रशासन व स्थानीय भाजपा नगरसेवकों की लापरवाही के कारण आज उल्हासनगर 4 स्थित जीजामाता कालोनी में बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। जब यह वार्ड हमारे हाथ में था तो यह स्थिति कभी नहीं हुई। लेकिन नगरसेवकों ने यहां पर ठीक ढंग से सफाई न कराने के कारण आज बाढ़ की स्थिति है। मनपा प्रशासन ने यहां और शहर में कहीं भी नाला सफाई नहीं की है जिस कारण शहर के कई निचले इलाकों में पानी चला गया है।

लोगों ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि जीजामाता कॉलोनी में करीब पांच-छह साल से पानी जमा है। इस इलाके की नालियों की ठीक से सफाई न होने से नाले का पानी सीधे लोगों के घरों में घुस जाता है। यह समस्या कई सालों से है, लेकिन इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसलिए, इस बारिश में भी इस इलाके के लोगों को काफी परेशानी हुई है।

कल्याण-डोंबिवली के कई निचले इलाके डूबे

कल्याण. रात से हो रही भारी बारिश की वजह से कल्याण और डोंबिवली शहर के निचले इलाकों में पानी जमा हो गया है। जिन इलाकों में सीमेंट रोड का काम चल रहा है, वहां बिल्डिंग, चॉल नीचे चली गई हैं और सड़कें ऊपर बन गई हैं, जिससे कई बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में पानी घुस गया है। रुकी हुई सीमेंट कंक्रीट सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। लोग पूछ रहे हैं कि बाकी तीन महीने की बारिश कैसे होगी, क्योंकि पहली ही बारिश ने ये हाल कर दिया है. मंगलवार रात से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार सुबह से भारी बारिश जारी है।

- 18 पेड़ गिरे

भारी बारिश की वजह से दो दिनों में कल्याण और डोंबिवली शहर के अलग-अलग इलाकों में कुल 18 पेड़ गिर गए हैं। इन पेड़ों की वजह से कई गाड़ियों को नुकसान हुआ है। अच्छी बात ये रही कि किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ। डोंबिवली MIDC इलाके में पुराने पेड़ों की संख्या ज़्यादा है। पिछले तीन दिनों में इस इलाके में आठ से ज़्यादा पेड़ गिर गए।

पिछले चार सालों में शहर के अलग-अलग हिस्सों में सीमेंट कंक्रीट सड़क का काम हुआ था। इस दौरान हुई खुदाई की वजह से कई पेड़ों के तने और जड़ें टूट गईं। इस वजह से पहली बारिश में ही ज़मीन भुरभुरी हो गई और ये पेड़ सपोर्ट की कमी की वजह से गिर गए, ऐसा एक एक्सपर्ट ने बताया।

निचले इलाकों में पानी

कल्याण के शिवाजी चौक, अहिल्याबाई चौक, लालचौकी, उंबरडे इलाका, मुरबाड रोड, वालधुनी नदी इलाका, कोलसेवाड़ी, कटेमानिवली, चिंचपाड़ा, टिटवाला और बालयानी इलाकों में निचले इलाकों में पानी जमा हो गया है। उंबरडे के एक स्कूल के कैंपस में पानी घुस गया है। कुछ स्कूलों के प्लेग्राउंड पूरी तरह से पानी से भर गए हैं। स्टूडेंट्स को इसी पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

ऊंबर्डे की स्कूल जलमग्न

कल्याण. कल्याण में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश का असर शैक्षणिक संस्थानों पर भी दिखाई दिया। कल्याण पश्चिम के उंबर्डे गांव स्थित शेतकरी जागृत मंडल माध्यमिक विद्यालय, बारिश का पानी भर जाने से पूरी तरह जलमग्न हो गया। स्कूल परिसर और मैदान में पानी भरने के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल प्रशासन को बच्चों की छुट्टी घोषित करनी पड़ी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय वाबले ने बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण स्कूल परिसर में जलभराव हो गया है। पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से पूरा मैदान और स्कूल परिसर पानी में डूब गया, जिससे नियमित रूप से कक्षाएं संचालित करना संभव नहीं रहा।

अंबरनाथ में जबरदस्त बारिश

- सिद्धार्थ नगर के घरों में पानी भरा
- केबी रोड विमको नाका पर जलजमाव होने से ट्रैफिक जाम

अंबरनाथ. अंबरनाथ में मंगलवार दोपहर से हो रही तूफानी बारिश के कारण कई जगहों पर पानी भरने से झोपड़ावासियों को भारी नुकसान हुआ है. विमको नाका केबी मुख्य महामार्ग पर बरसाती पानी भरने से वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी. शहर के निचले भागों में जलजमाव हो गया. जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा हा. स्कूली विद्यार्थी भी पानी से जाते हुए दिखाई दिए, शहर का चिखलोली बांध तो पूरी तरह सूख चुका है, वहीं बारवी डैम में केवल 22 प्रतिशत पानी रह गया है. बरसात के लिए सभी प्रार्थना कर रहे थे. डीएमसी रोड पर भी घुटनों तक पानी भर गया था. यातायात धीमी रफ्तार से चल रहा था. चालकों एवं पैदल चलने वालों को परेशानी हुई. शहर पूर्व में लोकनगरी सड़क पर एवं एमआईडीसी रोड पर जलजमाव होने से कंपनियों के वाहनों की लंबी कतारें देखी गई. आनंद नगर एमआईडीसी के हर चौक पर ट्रैफिक पुलिस को यातायात समस्या को दूर करने का प्रयास करते देखा गया. लगातार बारिश के कारण बारिश का पानी जल्दी नहीं निकल रहा है.

तीन घंटे तक हुई लगातार बारिश ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है. सुबह नौकरी पर गए लोगों को शाम में घर आने में परेशानी हुई है. सिद्धार्थ नगर में घरों में पानी भरने से यहां के निवासी रोष में हैं और 3 जुलाई को नपा की आमसभा के समय रहिवासियों ने नपा कार्यालय पर मोर्चा निकालने का तय किया है.

नगर रचना विभाग में तीन अधिकारियों की नियुक्ति

- उप मुख्यमंत्री के क्लस्टर ड्रीम प्रोजेक्ट को मिलेगी रफ्तार

उल्हासनगर. तत्कालीन सहायक संचालक नगर रचना ललित खोब्रागड़े के ट्रांसफर के बाद उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नगर रचना विभाग के कामकाज को रफ्तार नहीं मिल रही थी. अब नगर रचना विभाग में तीन अधिकारियों की सीधी नियुक्ति की गई है. इससे उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, MP डॉ. श्रीकांत शिंदे के क्लस्टर ड्रीम प्रोजेक्ट और रेगुलराइजेशन में तेजी आने की संभावना है।

नगर रचना विभाग में पेंडिंग केस में तेजी लाने के लिए कमिश्नर मनीषा आव्हाले ने महाराष्ट्र सरकार से अधिकारियों को भेजने के लिए फॉलोअप किया था। यह सफल रहा और सरकार ने तीन अधिकारियों, चेतन पाटिल, स्वप्निल दलवी, डिगेश तायडे को उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट में नियुक्त किया है।

KDMC अधिकारियों को उल्हासनगर का एडिशनल चार्ज

इन तीन अधिकारियों में से महाराष्ट्र सरकार ने कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन

के असिस्टेंट डायरेक्टर अर्बन प्लानिंग चेतन पाटिल को उल्हासनगर का एडिशनल चार्ज सौंपा है। इस बीच, जलगांव टाउन प्लानर डिगेश तायडे और कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन टाउन प्लानर स्वप्निल दलवी को डेप्युटेशन पर भेजा गया है। तीनों ऑफिसर, चेतन पाटिल, डिगेश तायडे और स्वप्निल दलवी, क्लस्टर ड्रीम प्रोजेक्ट सेल और कंस्ट्रक्शन रेगुलराइजेशन पर काम करेंगे, जबकि मौजूदा टाउन प्लानर विकास बिरारी कंस्ट्रक्शन परमिट संभालेंगे।

- 4 ऑफिसर, आफिस एक?

इस बीच, पहली बार टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट में चार ऑफिसर की एक प्लाटून है, जिसमें एक असिस्टेंट डायरेक्टर टाउन प्लानिंग और तीन टाउन प्लानर हैं। हालांकि, चूंकि यह एकमात्र छोटा ऑफिस है, इसलिए ये ऑफिसर कहां बैठेंगे? यह सवाल उठ गया है।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने के निर्देश

उल्हासनगर. सेंट्रल सैनिटेशन कमीशन के वाइस चेयरमैन भगवत प्रसाद मकवाना ने नगर निगम प्रशासन को वाल्मीकि समुदाय के कर्मचारियों की पेंडिंग मांगों को जाति की कोई शर्त लगाए बिना तुरंत हल करने का निर्देश दिया है। उल्हासनगर मनपा में भगवत प्रसाद मकवाना ने सफाई कर्मचारियों की पेंडिंग समस्याओं पर नगर निगम कमिश्नर मनीषा अव्हाले से नगर निगम हॉल में चर्चा की। इस मौके पर अलग-अलग लेबर ऑर्गनाइजेशन से कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में जाना गया। वाल्मीकि समुदाय के नेता राधाचरण करोतिया ने वाल्मीकि समुदाय के कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय को पढ़कर सुनाया। इस बीच, लेबर ऑर्गनाइजेशन के चरण सिंह टाक ने आरोप लगाया कि सफाई कर्मचारियों की पेंडिंग समस्याओं का अभी तक हल नहीं किया जा रहा है।

उल्हासनगर स्टेशन इलाके में नशेड़ी युवक ने किया राडा

- रिक्शा ड्राइवर और कामगार पर हमला
- पुलिस ने पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की

उल्हासनगर. उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी इलाके में एक बार फिर नशे में धुत युवक ने राडा कर दिया, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया। नशे में धुत एक युवक ने शाम को अचानक एक रिक्शा ड्राइवर पर हमला कर दिया और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद उसने एक मजदूर पर भी हमला किया, जिसके सिर में भी गंभीर चोट आई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, शाम को रेलवे स्टेशन के पश्चिम में मच्छी मार्केट इलाके से एक रिक्शा ड्राइवर रिक्शा लेकर जा रहा था, तभी सामने से आए नशे में धुत एक युवक ने बिना किसी वजह के उस पर हमला कर दिया। इस हमले में रिक्शा ड्राइवर के सिर में गंभीर चोट आई। उसने रिक्शा का अगला शीशा भी तोड़ दिया। इसके बाद आरोपी ने एक मजदूर के साथ भी मारपीट की।

इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह देखकर कि युवक अपने सामने आने वाले हर किसी पर हमला कर रहा है, गुस्साए रिक्शा ड्राइवरों ने उसे पकड़ लिया, उसकी बुरी तरह पिटाई की और सेंट्रल पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद गुस्साए रिक्शा चालकों ने सेंट्रल पुलिस स्टेशन के बाहर भारी भीड़ लगा दी थी।

इस बीच, घायल रिक्शा चालक और नशे में धुत युवक दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, पुलिस ने बताया कि इलाज के बाद दोनों में से कोई भी पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने नहीं आया। साथ ही, शुरुआती जानकारी यह भी आ रही है कि जिस युवक की बात हो रही है, वह नाबालिग है। इस घटना से उल्हासनगर रेलवे स्टेशन इलाके में नशे में धुत युवकों की बढ़ती हरकतें और नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है, और नागरिक और रिक्शा चालक पुलिस से इस इलाके में गश्त बढ़ाने और सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

मंगलसूत्र चोरी

डोंबिवली पूर्व के पलावा-खोणी क्षेत्र में नवी मुंबई महानगरपालिका की बस में सफर कर रही महिला के गले से 80 हजार रुपये कीमत का मंगलसूत्र चोरी होने का मामला सामने आया है।

विधानसभा में उठा भ्रष्ट कर्मचारियों, अधिकारियों का मुद्दा

अधिकारियों का पदभार हटाया गया

उल्हासनगर. एंटी-करप्शन डिपार्टमेंट द्वारा पकड़े गए कर्मचारियों और अधिकारियों को महानगर पालिका में अहम पदों पर नियुक्त करने के खिलाफ 'कायद्याने वागा' संगठन ने विरोध किया था। इसलिए, उल्हासनगर महानगर पालिका ने सोमवार शाम को नोडल ऑफिसर गणेश शिम्पी और सिक्योरिटी ऑफिसर यशवंत सगळे को पद से हटा दिया।

बाकी कर्मचारियों के पदों की समीक्षा के बाद उन्हें चरणबद्ध तरीके से पद से हटाने की प्रक्रिया

अधिकारी हैं। इनमें से कुछ रिटायर हो चुके हैं। फिलहाल, 23 कर्मचारी और अधिकारी काम कर रहे हैं। इनमें से कुछ को सरकारी आदेशों को नजरअंदाज करके अहम पद दिए गए हैं।

राज असरोंडकर ने एक बयान में मांग की थी कि इन अहम पदों को उनसे तुरंत हटाया जाना चाहिए। असरोंडकर ने एक हफ़्ते के अंतर पर लगातार दो मंगलवार, 16 जून और 23 जून को विरोध प्रदर्शन किया।

बिस्किट कंपनी में काम करने वाली महिलाओं के साथ मारपीट

उल्हासनगर. कैंप नंबर चार में बाबा साईं बिस्किट कंपनी में काम करने वाली दो महिलाओं के साथ मारपीट करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि बाबा साईं फूड कंपनी में काम करने वाले सुनील सावले और बिस्किट कंपनी में काम करने वाले राहुल अहिरे जबरदस्ती क्रीम बिस्किट पैकिंग का सावले पर सामान फेंक रहे थे। जब सावले ने विरोध किया, तो उन्होंने शिकायतकर्ता सावले के साथ गाली-गलौज की और अपने भाई रोहित सुनील अहिरे और एक अनजान व्यक्ति को कंपनी में बुला लिया। साथ ही, कंपनी में घुसकर राहुल और रोहित ने शिकायतकर्ता सावले के साथ काम करने वाली अमलादेवी चव्हाण और ममतादेवी सिंह के साथ मारपीट की। साथ ही, रोहित के साथ मौजूद एक अनजान व्यक्ति ने हाथ में लिए चाकू से शिकायतकर्ता सावले की मां मंगलादेवी और शिकायतकर्ता सावले के बाएं हाथ पर हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसके बाद विट्ठलवाड़ी पुलिस ने राहुल रोहित और उसके दोस्त के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास – मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

एसी अब सुविधा ही नहीं, खतरा भी!

आज के समय में एयर कंडीशनर (एसी) को विलासिता की वस्तु के बजाय रोजमर्रा की जरूरत के सामान की तरह देखा जाने लगा है। मगर घर और कमरे के तापमान को ठंडा रखने की यह सुविधा अब जोखिम का सबब बनती जा रही है। हाल के वर्षों में एसी में विस्फोट से आग की घटनाएं एक गंभीर खतरे के रूप में उभरकर सामने आई हैं।

ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-119 में सोमवार को सामने आई, जहां एक इमारत की इक्कीसवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में एसी में धमाका होने से आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, लेकिन इसने बहुमंजिला इमारतों में आपात स्थिति में सुरक्षा प्रबंधों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतनी ऊंची इमारत में आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कई घंटे लग गए। ऐसे में इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि विभागीय तैयारियों की मौजूदा चुनौतियों के लिहाज से गहन समीक्षा किए जाने की जरूरत है।

गौरतलब है कि पिछले दो माह के भीतर देश भर में एसी में विस्फोट से आग की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें संपत्ति के साथ मानवीय क्षति भी हुई है। खबरों के मुताबिक, इस अवधि में नोएडा में ही अब तक डेढ़ सौ से ज्यादा ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

एसी में विस्फोट के कई कारण हो सकते हैं। मसलन, लगातार चलाने से कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव, गैस का रिसाव या फिर एसी से जुड़े बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से भी आग लगने का खतरा बना रहता है। फिर एसी की गुणवत्ता में गिरावट भी एक अहम सवाल है।

ऐसी घटनाओं में जान-माल का नुकसान न हो, इसके लिए इमारतों में सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त होने चाहिए। मगर यह अफसोसनाक है कि इस ओर न तो शासन-प्रशासन और न ही भवन निर्माताओं का ध्यान जाता है। यही नहीं, दमकल विभाग में संसाधनों का अभाव भी किसी से छिपा नहीं है।

इसका ताजा उदाहरण नोएडा में हुए हादसे के दौरान देखने को मिला, जब दमकल गाड़ियों से पानी की बौछार तेरहवीं मंजिल से ऊपर नहीं पहुंच सकी। जाहिर है कि ऐसे खतरों से निपटने के लिए व्यवस्था को हर स्तर पर अधिक सक्षम, आधुनिक और चाक-चौबंद बनाने की आवश्यकता है।

विमर्श

कसी जाए मंत्रियों के चयन की कसौटी

इन दिनों केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल-विस्तार की चर्चा जोरों पर है। माना जाता है कि अगले कुछ दिनों में मोदी सरकार अपने इस तीसरे कार्यकाल में पहली बार मंत्रिमंडल में विस्तार के साथ फेरबदल भी कर सकती है। इसका एक कारण तो यह है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के दो सदस्य पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा क्रमशः उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष बन गए हैं। दूसरा कारण दो मंत्रियों रवनीत सिंह बिट्टू और जार्ज कुरियन का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होना है। इनमें कुरियन ने तो त्यागपत्र दे दिया है और वह मंजूर भी हो गया है। रवनीत सिंह बिट्टू ने अभी त्यागपत्र नहीं दिया, लेकिन यह कहा है कि अब वे अपना ध्यान पंजाब के आगामी विधानसभा चुनावों पर केंद्रित करेंगे।

मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार-फेरबदल का एक संभावित आधार आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों का भाजपा में शामिल होना, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के छह लोकसभा सदस्यों का एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना में शामिल होकर सत्तापक्ष का संख्याबल बढ़ाना भी है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संख्याबल इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य ममता बनर्जी से बगावत करके एक गुमनाम से दल नेशनल सिटिजंस पार्टी आफ इंडिया में शामिल होकर इस गठबंधन का हिस्सा बन गए हैं। इसी के साथ यह पार्टी राजग का सबसे बड़ा घटक बन गई है। उसने संख्याबल के मामले में तेलुगु देसम पार्टी, शिवसेना (शिंदे) और जनता दल-यू को भी पीछे छोड़

दिया है। मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार-फेरबदल का एक अन्य कारण यह गिनाया जा रहा है कि अगले वर्ष सात राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं और केंद्रीय मंत्रिमंडल में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जा सकता है। इस सबके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल-विस्तार की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि मंत्रियों के लगभग दो वर्ष के कामकाज की समीक्षा संभावित थी। इस समीक्षा के तहत मंत्री पदोन्नत या पदावनत हो सकते हैं। पता नहीं ऐसा होगा या नहीं, लेकिन आसार इसलिए अधिक हैं, क्योंकि भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नवीन को भी अपनी टीम गठित करनी है और इसके तहत कुछ नेता संगठन से सरकार में और कुछ सरकार से संगठन में जा सकते हैं। चूंकि मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार होता रहा है, इसलिए इस बार भी ऐसा होना संभावित माना जा रहा है। अतीत में जब भी ऐसा हुआ है, तब कुछ केंद्रीय मंत्रियों की अप्रत्याशित रूप से छुट्टी हुई है और कुछ ऐसे चकित करने वाले चेहरे मोदी सरकार का हिस्सा बने, जिनके बारे में शायद ही किसी ने अनुमान लगाया हो। यह मोदी सरकार की विशेषता है कि वह अपने फैसलों से चौंकाती है और ऐसे फैसले केवल मंत्रियों के चयन के मामले में ही नहीं होते रहे। मुख्यमंत्रियों के चयन के मामले में भी यह देखने को मिलता रहा है। आखिर किसने सोचा था कि राजस्थान में पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बना दिए जाएंगे? ऐसा ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मामले में भी हुआ। मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष समेत अन्य अनेक पदों पर ऐसे लोग आए, जिनके बारे में किसी को भान नहीं था। आम लोगों और यहां तक कि राजनीतिक पंडितों के अनुमान से परे जाकर अप्रत्याशित फैसले लेना मोदी सरकार की एक खासियत अवश्य है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसका हर चौंकाने वाला फैसला सटीक यानी मास्टर स्ट्रोक ही होता हो। यह सही है कि कोई भी सरकार हो, उसके प्रमुख को अपने मंत्रियों का चयन करते समय सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों का ध्यान रखना ही पड़ता है, लेकिन ऐसा करते समय भी योग्यता को प्रथम वरीयता दी जानी चाहिए, क्योंकि कोई सरकार अपने मंत्रियों के कामकाज के आधार पर ही जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में समर्थ हो सकती है। लगभग प्रत्येक सरकार के मंत्रिमंडल में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो केवल सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों में संतुलन बैठाने का काम करते हैं, लेकिन जब ऐसा करते समय योग्यता और दक्षता को सर्वोच्च वरीयता नहीं दी जाती, तो इसके दुष्परिणाम संबंधित सरकार के साथ जनता को भी भोगने पड़ते हैं।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

EV से घटेगा प्रदूषण या बढ़ेंगी मुश्किलें?

इसमें कोई दोराय नहीं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की गहराती समस्या के मद्देनजर इसकी मुख्य वजहों की पहचान और उनसे निपटने के लिए ठोस उपाय करना जरूरी है। मगर इस क्रम में सरकार जिन नीतियों का सहारा लेना चाहती है, वे व्यापक जनहित में हों, यह सुनिश्चित किया जाना भी वक्त का तकाजा है।

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण एक अहम समस्या के रूप में चिंता का मुद्दा बना रहता है। इसके लिए सड़क पर चलने वाले वाहनों को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना जाता है। खासतौर पर दुपहिया वाहनों की बढ़ती संख्या न केवल सुव्यवस्थित यातायात, बल्कि प्रदूषण के लिहाज से अपेक्षया ज्यादा बहस के केंद्र में रहती है। इन्हीं बिंदुओं के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सोमवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत अगले वर्ष जनवरी से सिर्फ ई-ऑटो यानी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा। साथ ही, जनवरी 2028 से सिर्फ ई-दुपहिया वाहनों का ही पंजीकरण कराया जा सकेगा। नई नीति के तहत अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर सड़क-कर और पंजीकरण शुल्क में छूट की व्यवस्था भी की गई है।

जाहिर है, सरकार ने एक तरह से

नीतिगत तौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के क्रम में एक ठोस फैसला किया है, लेकिन चूंकि इसका वैसे लोगों के जीवन पर व्यापक असर पड़ने की संभावना है, जिनकी रोजी-रोटी इन वाहनों से जुड़ी होती है, इसलिए फिलहाल इसके कई अन्य पहलुओं पर बहस जारी है।

हालांकि यह भी एक तथ्य है कि दिल्ली में पिछले कई वर्षों से लगातार प्रदूषण की वजह से हालात बेहद चिंताजनक होते गए हैं, तो इसमें वाहनों की खासी भूमिका रही है। मगर इसमें कारों और अन्य वाहनों के बरक्स दुपहिया और तिपहिया वाहनों की कितनी भूमिका है, इस पर भी गौर किया जाना चाहिए। खासतौर पर इसलिए भी कि दिल्ली में तिपहिया वाहन आमतौर पर सीएनजी से चलते हैं। एक समय पेट्रोल और डीजल वाहनों के धुएं से होने वाला प्रदूषण व्यापक चिंता का विषय बना था और उस समय सीएनजी वाहनों के जरिए दिल्ली की हवा को स्वच्छ करने के दावे किए गए थे।

लेकिन आज भी दिल्ली में वायु प्रदूषण की हकीकत किसी से छिपी नहीं है। वहीं, इलेक्ट्रिक कचरा आज विश्वभर में पर्यावरण के सामने एक नई चुनौती बन रहा है।

यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इस नीति के केंद्र में फिलहाल जिन दुपहिया और तिपहिया वाहनों को रखा गया है, वे बड़ी संख्या में साधारण लोगों की आजीविका और आवागमन का मुख्य सहारा रहे हैं। नई नीति की अनिवार्यता की स्थिति में अपने वाहन को इलेक्ट्रिक प्रणाली में बदलना कम आयवर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन सकता है।

दूसरी ओर, दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन की बदहाली छिपी नहीं है। इसे बेहतर बनाने के लिए किसी भी सरकार ने ऐसे कदम नहीं उठाए हैं, ताकि लोग निजी वाहनों के बारे में न सोचें। ऐसे में आवाजाही और रोजगार के लिहाज से दुपहिया और तिपहिया वाहन एक बड़े तबके के लिए सहारा रहे हैं। बहरहाल, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति के जरिए अगर दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या पर काबू पाने में मदद मिलती है, तो इसे एक बेहतर उपाय माना जाएगा। मगर इसके समांतर दिल्ली में व्यापक पैमाने पर चार्जिंग स्टेशन सहित अन्य बुनियादी ढांचे का जाल खड़ा करना होगा।

दुनिया की सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी का हॉस्टल

जरा हट के

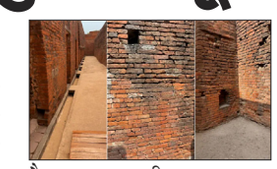

बिहार में एक ऐसी यूनिवर्सिटी थी, जो सदियों पहले ही पूरी दुनिया में शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र बन चुकी थी. हम बात कर रहे हैं दुनिया का सबसे पुराने नालंदा यूनिवर्सिटी की, जिसे दुनिया की पहली रेजिडेंशियल विश्वविद्यालयों में गिना जाता है. करीब 1600 साल पहले बनी नालंदा यूनिवर्सिटी लगभग 700 साल तक ज्ञान का सबसे बड़ा केंद्र रही. यहां भारत ही नहीं, बल्कि चीन, कोरिया, तिब्बत, श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया से भी छात्र पढ़ने आते थे. कहा जाता है कि उस समय यहां हजारों छात्र और शिक्षक मौजूद रहते थे. सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां एडमिशन लेना आसान नहीं था. छात्रों को कठिन परीक्षा पास करनी पड़ती थी, तभी उन्हें यहां पढ़ने का मौका मिलता था. इन दिनों सोशल मीडिया पर नालंदा यूनिवर्सिटी के एक प्राचीन छात्र कमरे का वीडियो वायरल हो रहा

है. यह कमरा करीब 1600 साल पुराना बताया जा रहा है. कमरे की डिजाइन और शानदार प्लानिंग देखकर लोग हैरान रह गए हैं. वायरल हो रहे वीडियो में दिखाई देने वाला कमरा साधारण ईंटों से बना हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन उसकी बनावट काफी समझदारी से तैयार की गई थी. कमरे में दीवार के अंदर छोटी-छोटी जगहें बनाई गई थीं, जिन्हें स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाता होगा. माना जाता है कि यहां छात्र अपनी पांडुलिपियां, तेल के दीये, लिखने का सामान और दूसरी जरूरी चीजें रखते थे. कमरे में रोशनी और हवा आने के लिए छोटी खिड़की जैसी जगह भी बनाई गई थी. यही नहीं, कई कमरों में ईंटों से बने ऊंचे प्लेटफॉर्म भी दिखाई देते हैं, जहां छात्र बैठकर पढ़ाई, ध्यान या आराम करते होंगे.

नालंदा यूनिवर्सिटी के छात्र बेहद साधारण जीवन जीते थे. यहां फिजूल की चमक-दमक नहीं थी. छात्रों का पूरा जीवन पढ़ाई, ध्यान और अनुशासन पर आधारित था. यहां बौद्ध दर्शन, गणित, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, व्याकरण, तर्कशास्त्र और साहित्य जैसे विषय पढ़ाए जाते थे. उस दौर में नालंदा सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में ज्ञान का बड़ा केंद्र मानी जाती थी. इतिहासकारों के अनुसार, यहां पढ़ने वाले कई विद्वान बाद में अलग-अलग देशों में गए और वहां शिक्षा और संस्कृति को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई.

खाना-खज़ाना

श्रीलंका की पोल रोटी

सामग्री :

- 1 कप ताजा कद्दूकस किया हुआ नारियल
- 1.5 से 2 कप मैदा
- 1 बारीक कटा प्याज
- 2 से 3 बारीक कटी हरी मिर्च
- 8 से 10 बारीक कटे करी पत्ते
- नमक स्वाद के मुताबिक
- आटा गूंथने के लिए जरूरत के हिसाब से पानी
- सेकने और हाथों पर लगाने के लिए थोड़ा सा तेल या घी

विधि :

सबसे पहले एक बड़े बाउल में कद्दूकस किया हुआ नारियल, बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, करी पत्ते और नमक डालें. अब इन सभी चीजों को हाथों से अच्छी तरह मिला लें ताकि हर चीज का स्वाद एक-दूसरे में अच्छी तरह घुल जाए. इसके बाद इसमें मैदा डालें और थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए मुलायम आटा गूंथ लें. ध्यान रखें कि आटा बहुत सख्त या ज्यादा

ढीला न हो. जब आटा तैयार हो जाए, तो उसे ढककर करीब 5 से 10 मिनट के लिए रख दें. इससे आटा अच्छी तरह सेट हो जाएगा और रोटी का टेक्सचर बेहतर आएगा. अब हाथों पर थोड़ा सा तेल लगाएं और आटे की बराबर आकार की लोइयां बना लें. हर लोई को बेलन की जगह हथेलियों से हल्के-हल्के दबाकर गोल और थोड़ा मोटा आकार दें. यही इसकी पारंपरिक पहचान भी है.

गैस पर तवा गर्म करें और तैयार रोटी को तवे पर रखें. मीडियम आंच पर दोनों तरफ से अच्छी तरह सेकें. जब रोटी पर हल्के सुनहरे निशान दिखाई देने लगें और किनारे कुरकुरे हो जाएं, तब चाहें तो थोड़ा सा घी या तेल लगा सकते हैं. इससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा. रोटी को ज्यादा तेज आंच पर न सेकें, क्योंकि इससे बाहर की परत जल्दी पक जाएगी लेकिन अंदर का हिस्सा कच्चा रह सकता है. मीडियम आंच पर धीरे-धीरे सेकने से रोटी बाहर से क्रिस्पी और अंदर से नरम बनती है.

दाल जल्दी पकानी है लेकिन स्वाद नहीं बिगाड़ना चाहते?

- **अपनाएं ये 6 आसान किचन ट्रिक्स**
- **मिनटों में होगी तैयार**

दाल लगभग हर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है. कभी दाल चावल, कभी दाल रोटी तो कभी खिचड़ी, हर घर में रोज किसी न किसी रूप में दाल जरूर बनती है. हालांकि कई बार ऑफिस से लौटने के बाद या सुबह जल्दी में सबसे बड़ी परेशानी यही होती है कि दाल पकने में काफी समय लग जाता है. ऐसे में लोग जल्दी पकाने के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन कई बार स्वाद और बनावट दोनों बिगड़ जाते हैं. अच्छी बात यह है कि कुछ आसान किचन ट्रिक्स अपनाकर दाल को जल्दी भी पकाया जा सकता है और उसका असली स्वाद भी बरकरार रखा जा सकता है. आइए जानते हैं वे आसान तरीके जो हर रसोई में काम आ सकते हैं.

■ दाल को हल्का सूखा भून लें

अगर दाल जल्दी पकानी है तो सबसे पहले उसे दो से तीन मिनट तक बिना तेल के हल्का भून लें. ऐसा करने से दाल की अतिरिक्त नमी कम हो जाती है और उबालने पर वह जल्दी गलने लगती है. साथ ही दाल में हल्की सी खुशबू भी आ जाती है, जिससे उसका स्वाद और बेहतर लगता है.

■ छोटी दालों का करें चुनाव

अगर समय कम है तो मसूर दाल, मूंग दाल या अरहर दाल जैसी छोटी और छिलका उतरी हुई दालें चुनें. ये साबुत चना दाल या साबुत उड़द की तुलना में काफी जल्दी पक जाती हैं. रोजमर्रा के खाने के लिए ये बेहतर विकल्प मानी जाती हैं.

■ बीच में हल्का मैश करें

अगर दाल पकने में ज्यादा समय ले रही है, तो करीब 10 से 15 मिनट बाद कलछी या हैंड ब्लेंडर से उसे हल्का सा मैश कर दें. इससे दाल जल्दी गल जाती है और उसका टेक्सचर भी ज्यादा क्रीमी हो जाता है. ध्यान रखें कि पूरी दाल को पेस्ट न बनाएं.

■ नमक आखिर में डालें

बहुत से लोग शुरुआत में ही नमक डाल देते हैं, लेकिन ऐसा करने से दाल के दाने देर से गल सकते हैं. बेहतर होगा कि दाल अच्छी तरह पक जाने के बाद ही उसमें नमक मिलाएं. इससे दाल जल्दी भी पकती है और स्वाद भी बेहतर आता है.

■ टमाटर और खट्टी चीजें बाद में डालें

टमाटर, इमली या नींबू जैसी खट्टी चीजें दाल को जल्दी गलने नहीं देतीं. इसलिए पहले दाल को पूरी तरह पकने दें और उसके बाद ही टमाटर या दूसरी खट्टी सामग्री डालें. इससे समय भी बचेगा और दाल का स्वाद भी अच्छा रहेगा.

■ एक चुटकी बेकिंग सोडा कर सकता है मदद

अगर दाल जल्दी बनानी है तो एक पूरे बर्तन में सिर्फ एक छोटी चुटकी बेकिंग सोडा डाल सकते हैं. इससे दाल जल्दी नरम हो जाती है. हालांकि इसकी मात्रा बहुत कम रखें, क्योंकि ज्यादा बेकिंग सोडा स्वाद और रंग दोनों बदल सकता है.

■ इन गलतियों से बचें

दाल बनाते समय कुछ छोटी गलतियां भी उसे देर से पकने का कारण बनती हैं. दाल को बिना धोए न पकाएं. जरूरत से ज्यादा पानी न डालें. शुरुआत से ही टमाटर या इमली न मिलाएं. साथ ही दाल को शुरू में अच्छी आंच पर उबाल आने दें, उसके बाद आंच कम करें.

आज का राशिफल

मेष : आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

वृषभ : नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। प्रमाद न करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मिथुन : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कर्क : आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है। तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है।

सिंह : व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कन्या : पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला : किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा।

वृश्चिक : मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

धनु : लेन-देन में जल्दबाजी न करें, सावधानी रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य बनाए रखना होगा।

मकर : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा।

कुंभ : किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अच्छा समय बीतेगा।

मीन : कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। जल्दबाजी न करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

फ्रिज में रखा खाना कितनी बार गर्म करना है सेफ?

फ्रिज में रखा खाना दोबारा गर्म किया जा सकता है, लेकिन इसे बार-बार गर्म करने से बचना चाहिए. बेहतर यही माना जाता है कि जितनी मात्रा में खाना खाना हो, उतना ही निकालकर गर्म करें. बार-बार गर्म और ठंडा करने से खाने में बैक्टीरिया बढ़ने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर अगर खाना कुछ समय के लिए बाहर रखा गया

■ कैसे गर्म करना चाहिए खाना?

खाने को गर्म करने का मतलब सिर्फ उसे हल्का गर्म करना नहीं है. खाना अंदर तक अच्छी तरह गर्म होना चाहिए, ताकि उसमें मौजूद संभावित बैक्टीरिया खत्म हो सकें. दाल, सब्जी, ग्रेवी और चावल जैसी चीजों को गर्म करते समय खास ध्यान रखना चाहिए.

■ बार-बार गर्म करने से क्या नुकसान हो सकता है?

बार-बार खाना गर्म करने से उसका स्वाद, टेक्सचर और पोषण प्रभावित हो सकता है. कई खाद्य पदार्थों में मौजूद कुछ पोषक तत्व ज्यादा गर्मी के कारण कम हो सकते हैं. वहीं, अगर खाना सही तरीके से स्टोर नहीं किया गया है तो उसमें बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं, जिससे पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. खासकर चावल, मीट, अंडे और डेयरी से बनी चीजों को संभालकर रखना चाहिए. इन चीजों को लंबे समय तक बाहर रखने से खराब होने की संभावना ज्यादा होती है.

कुछ खाने जल्दी खराब हो सकते हैं, इसलिए इन्हें बार-बार गर्म करने से बचना चाहिए.

पके हुए चावल, चिकन और मीट, दूध से बनी चीजें, अंडे से बने व्यंजन, क्रीम वाली डिश, इन चीजों को सही तरीके से स्टोर करना और समय पर इस्तेमाल करना जरूरी होता है.

■ खाना गर्म करते समय रखें इन बातों का ध्यान

खाने को हमेशा उतनी ही मात्रा में गर्म करें जितनी आपको खानी है. माइक्रोवेव में गर्म करते समय बीच में खाना हिलाएं ताकि हर हिस्से तक गर्मी पहुंचे. अगर खाने की गंध बदल गई है, स्वाद अजीब लग रहा है या वह ज्यादा समय से रखा है तो उसे खाने से बचना बेहतर है.

बार-बार गंदे हो जाते हैं पायदान

बिना ज्यादा रगड़े मिनटों में करें साफ, जानिए धाकड़ तरीका

बरसात के मौसम में घर के बाहर और अंदर रखे पायदान यानी डोरमैट पर मिट्टी, कीचड़ और नमी जल्दी जमा हो जाती है. इससे न केवल पायदान गंदे दिखने लगते हैं, बल्कि उनमें बदबू और बैक्टीरिया पनपने की संभावना भी बढ़ सकती है. अगर समय-समय पर इन्हें साफ न किया जाए, तो गंदगी पूरे घर में फैल सकती है. ऐसे में कुछ आसान तरीकों से पायदान को बिना ज्यादा मेहनत के साफ रखा जा सकता है.

■ पहले धूल-मिट्टी निकालें

पायदान धोने से पहले उसे बाहर ले जाकर अच्छी तरह झाड़ें. अगर संभव हो, तो डंडे या ब्रश से हल्के हाथों से थपथपाकर उसमें जमी धूल, मिट्टी और छोटे कण निकाल दें. यह जरूरी है, क्योंकि सीधे पानी डालने से गंदगी और अधिक चिपक सकती है.

■ साबुन और गुनगुने पानी से करें साफ

एक बाल्टी गुनगुने पानी में थोड़ा लिक्विड डिटर्जेंट या हल्का कपड़े धोने वाला साबुन मिलाएं. इस घोल को पायदान पर डालें और मुलायम ब्रश से हल्के हाथों से साफ करें. ज्यादा रगड़ने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि पहले से धूल हटाने के बाद अधिकांश गंदगी आसानी से निकल जाती है. इसके बाद साफ पानी से अच्छी तरह धो लें.

■ बेकिंग सोडा से कम करें बदबू

अगर पायदान से सीलन या बदबू आ रही है, तो धोने से पहले उस पर थोड़ा-सा बेकिंग सोडा छिड़ककर 15 से 20 मिनट के लिए छोड़ दें. इसके बाद ब्रश और साबुन वाले पानी से साफ करें. बेकिंग सोडा गंध कम करने में मदद कर सकता है. हालांकि बहुत जिद्दी दाग या बदबू के लिए अतिरिक्त सफाई की जरूरत पड़ सकती है.

■ धूप या हवा में अच्छी तरह सुखाएं

धोने के बाद पायदान को पूरी तरह सूखने देना बेहद जरूरी है. अगर धूप उपलब्ध हो, तो उसे धूप में रखें. बारिश के दिनों में अच्छी हवा वाली जगह या पंखे के नीचे सुखाएं. गीला पायदान दोबारा इस्तेमाल करने से उसमें सीलन और बदबू की समस्या बढ़ सकती है. बरसात के मौसम में पायदान की नियमित सफाई घर को साफ-सुथरा और ताजा बनाए रखने में मदद करती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कार को टक्कर मार खाई में पलटी बस, पांच की मौत

उन्नाव. उन्नाव में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हुआ है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार स्लीपर बस एक कार को टक्कर मारते हुए खाई में पलट गई है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। कई लोग घायल हैं। करीब 85 यात्रियों को लेकर बस हरियाणा से बिहार जा रही थी। कार में आठ लोग सवार थे। मरने वालों में दो बच्चे हैं। कार सवार तीन लोग और बस के 17 लोग घायल हैं। सभी घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। हादसा बांगरमऊ क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 230 पर गांव देवखरी के पास हुआ। मजदूरों को लेकर हरियाणा से बिहार जा रही बस अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर तोड़कर रॉन्ग साइड में घुस गई। इसी दौरान सामने से आ रही कार को कुचलती हुई खंती में पलट गई।

सरयू नदी में नहाते समय एक ही परिवार की 5 महिलाएं डूबीं, 3 के शव बरामद

अयोध्या. अयोध्या जिले में मंगलवार को सरयू नदी में स्नान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। रौनाही थाना क्षेत्र के सनाहा गांव के पास एक ही परिवार की दो महिलाओं और तीन किशोरियों समेत पांच लोग नदी में डूब गए। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से तीन लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर शाम तक दो किशोरियों की तलाश जारी रही।जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे एक ही परिवार की दो महिलाएं और तीन किशोरियां सरयू नदी के किनारे घूमने गई थीं। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर पहुंचने के बाद मीरापुर रुदौली निवासी मेराज की 35 साल पत्नी शाहीन नदी में नहाने उतरीं। इसी दौरान वह गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। उन्हें बचाने के लिए 16 साल नाजिया, 15 साल रशीदा, 18 वर्षीय मरियम और 40 वर्षीय सजरूल निशा भी नदी में उतर गईं, लेकिन तेज बहाव की चपेट में आने से सभी डूब गईं।

भाई ने बहन की कर दी हत्या, खुद थाने में कबूल किया गुनाह

यूपी में एक बार फिर हॉरर किलिंग का मामला सामने आया है। झूठी शान को बचाने के चक्कर में एक भाई ने अपनी बहन का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद भाई ने खुद पुलिस के पास जाकर अपना गुनाह कबूल किया। उसका कहना था कि बहन बदनामी करवा रही थी। लोहियानगर के रसूलनगर में मंगलवार दोपहर घर के अंदर हॉरर किलिंग की वारदात अंजाम दी गई। मामले में मिली जानकारी के अनुसार छोटे भाई ने बड़ी बहन के प्रेम प्रसंग से नाराज होकर उसकी दुप्पटे से गला दबाकर हत्या कर दी।

सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट से शादी नहीं मानी जाएगी

गुजरात HC बोला- हिंदू विवाह के लिए रस्में जरूरी, सात फेरे के बिना सिर्फ रजिस्ट्रेशन काफी नहीं

अहमदाबाद. गुजरात हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट बन जाने से हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता। शादी उसी स्थिति में मानी जाएगी, जब हिंदू मैरिज एक्ट के तहत तय रीति-रिवाज पूरे किए गए हों। जिन समुदायों में सात फेरे की परंपरा है, वहां उनके बिना विवाह पूरा नहीं माना जाएगा।

जस्टिस इलेश जे. वोरा और जस्टिस आर.टी. वच्छानी की खंडपीठ ने कहा कि मैरिज सर्टिफिकेट केवल पहले से हुई शादी का रिकॉर्ड होता है। वह अपने आप किसी विवाह को मान्यता नहीं देता।

मामला ब्रिटेन में रहने वाले एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा है। उसका आरोप है कि अहमदाबाद की एक महिला ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे डॉक्यूमेंट्स पर साइन लेकर फर्जी तरीके से मैरिज सर्टिफिकेट बना लिया। दोनों के बीच कभी शादी नहीं हुई।

महिला ने भी माना- शादी की रस्में नहीं हुईं

सुनवाई के दौरान महिला ने फैमिली कोर्ट में माना कि शादी की कोई रस्म नहीं हुई थी। उसने यह भी स्वीकार किया कि दोनों कभी पति-पत्नी की तरह साथ नहीं रहे।

इसके बावजूद फैमिली कोर्ट ने सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट के आधार पर व्यक्ति की अर्जी खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने यह आदेश रद्द करते हुए कहा कि जब शादी की जरूरी रस्में ही नहीं हुईं, तो सिर्फ रजिस्ट्रेशन के आधार पर उसे हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता।

कोर्ट बोला- शादी सिर्फ कानूनी औपचारिकता नहीं

- हाईकोर्ट ने हिंदू मैरिज एक्ट की धारा-7 का हवाला देते हुए कहा कि हिंदू विवाह तभी माना जाएगा, जब कानून और संबंधित समुदाय की परंपरा के मुताबिक जरूरी रस्में पूरी की गई हों।
- अदालत ने कहा कि हिंदू परंपरा में विवाह सिर्फ कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संस्कार है। यह दो लोगों के साथ एक नए परिवार की शुरुआत का आधार भी है। इसलिए विवाह के महत्व और उसकी जिम्मेदारियों को समझकर ही इस रिश्ते में प्रवेश करना चाहिए।

वाहनों को रौंदता चला गया बेकाबू ट्रक

झारखंड के रामगढ़ जिले की चुटूपालु घाटी एक बार बहुत बड़ा सड़क हादसा हो गया. जहां मंगलवार को एक बेकाबू ट्रेलर ने सड़क पर ऐसा तांडव मचाया कि हर तरफ चीख-पुकार मच गई. ब्रेक फेल होने की आशंका के बीच ट्रेलर चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और देखते ही देखते यह मौत का वाहन बन गया और कई गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घाटी से नीचे उतरते समय ट्रेलर की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसने सामने आ रहे कई छोटे और बड़े वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी. हादसा इतना भयावह था कि ट्रेलर करीब दो किलोमीटर तक सड़क पर मौजूद गाड़ियों को घसीटता हुआ आगे बढ़ता रहा.

राजस्थान में बस-ट्रेलर भिड़े, 8 मौतें

- आग में फंसे थे 40 पैसेंजर्स
- दावा- डिक्की में सिगरेट बॉक्स भरे थे

दौसा. राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात बस-ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। एक्सीडेंट में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें 6 लोगों की मौत आग में झुलसने से और 2 की सिर पर चोट लगने के कारण हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक्सीडेंट कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ है। बस ऋषिकेश से इंदौर जा रही थी स्लीपर में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों के 40 पैसेंजर्स थे इनमें 21 लोग घायल भी हैं। 6 मृतकों की पहचान के लिए DNA टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद बॉडी परिवार को सौंपी जाएगी। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का दावा है बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट भरी हुई थी।

महुआ मोइत्रा के ऑफिस पर अंडों से हमला

- अंदर थीं TMC सांसद

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (TMC) की करारी हार के बाद ममता बनर्जी गुट के नेताओं की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हार के बाद कई नेताओं पर अंडों से हमला किया जा रहा है, जिसकी शिकायत कोर्ट तक पहुंची है। अब बुधवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के बंगाल वाले ऑफिस पर अंडों से हमला किया गया है। जिस समय महुआ के दफ्तर पर हमला हुआ, वह अंदर ही थीं। उन्होंने भाजपा पर इस हमले को करवाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक घंटे से भीड़ यहां इकट्ठी है और अंडों और सब्जियों से लगातार हमले कर रही है, लेकिन पुलिस और सीआरपीएफ बस देख रही है।

मोइत्रा ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उनके दफ्तर के बाहर बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठी दिख रही थी। उनके हाथों में अंडे, सब्जियां और काले झंडे हैं। भीड़ लगातार महुआ के ऑफिस पर हमला कर रही है। वीडियो में मोइत्रा ने कहा, "देखिए क्या हो रहा है। पुलिस देख रही है। यह भाजपा की भीड़ है जो यहां इकट्ठी है। मैंने डीजीपी को फोन किया, पुलिस बस देख रही है। सीआरपीएफ भी बस देख रही है। सभी लोग देखिए। मैं यहां की सांसद हूं और दफ्तर में हूं।" सामने आए वीडियो में बड़ी संख्या में लोग बाहर देखे जा सकते हैं। वहीं, पुलिस के जवान भी खड़े हुए हैं।

कुणाल घोष पर भी फेंका गया था अंडा

बता दें इससे पहले टीएमसी विधायक कुणाल घोष पर 16 जून को अंडे से हमला किया गया था। वह मीडिया से बात कर रहे थे, इसी दौरान वहां एक युवक ने उनके सिर पर अंडा फेंक दिया था। हालांकि, उन्होंने इस हमले के पीछे भाजपा का हाथ बताया था। इसके अलावा, उदयन गुहा, सुजॉय हाजरा, बप्पदित्य दासगुप्ता जैसे नेताओं के खिलाफ भी अंडों से हमला किया जा चुका है। टीएमसी इन हमलों के पीछे भाजपा पर आरोप लगाती रही है, जबकि बीजेपी ने जवाब दिया है कि स्थानीय लोगों का यह गुस्सा है।

2 माह में ही थलपति विजय को चलता करने की थी साजिश?

- 15 MLA को 35 से 50 CR का लालच
- 'डर्टी गेम' का कैसे खुला भेद

चेन्नई. दक्षिणी राज्य तमिलनाडु से इस वक्त एक बड़ी खबर आ रही है। खबर है कि राज्य के खुफिया विभाग ने एक बड़ी राजनीतिक साजिश का भंडाफोड़ किया है। इस साजिश के तहत अभिनेता से नेता बने TVK चीफ थलपति विजय की नई नवेली राज्य सरकार को गिराने का प्लान था, जबकि इस सरकार को बने हुए अभी दो महीने भी नहीं हुए हैं। राज्य खुफिया विभाग के अनुसार, इस साजिश का मकसद TVK के 15 विधायकों से एक साथ इस्तीफा दिलवाकर सरकार को अल्पमत में लाना और उसे गिराना था।

यह खुलासा तब हुआ, जब उथंगरई से TVK विधायक एन. एलैयाराजा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। विधायक का आरोप है कि एक कंसल्टेंसी फर्म (IPDS) के व्यक्ति ने उन्हें विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 35 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रिश्वत की पेशकश की थी। इतना ही नहीं, उन्हें मुंह बंद रखने के लिए धमकाया भी गया था। इस खबर के सामने आने के बाद से तमिलनाडु की राजनीति में जबरदस्त हड़कंप मच गया है।

सेंथिल बालाजी और 'करूर गैंग' का नाम आया सामने

इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार किए गए लोगों के तार DMK सरकार के पूर्व मंत्री और विधायक सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक से जुड़े होने का दावा किया जा रहा है। TVK विधायक की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने जांच शुरू की और एक कंसल्टेंसी फर्म IPDS के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान, अधिकारियों को DMK विधायक सेंथिल बालाजी से जुड़े तार मिले। इसके बाद दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के हवाले से NDTV की रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरफ्तार लोगों में से एक सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक का करीबी है।

50 करोड़ तक का था ऑफर, गंभीर आरोप

मंत्री निर्मल कुमार ने आरोप लगाया कि DMK नेता एमके स्टालिन और उदयनिधि के इशारे पर सेंथिल बालाजी विधायकों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें 10 करोड़ से लेकर 50 करोड़ रुपये तक के ऑफर दिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि DMK और AIADMK प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी मिलकर विजय सरकार को गिराने के लिए 'पिछले दरवाजे' से कोशिशें कर रहे हैं।

'रामराज्य कोष' और QR कोड!

- क्या नकली दान पेटी में लिया जा रहा था चंदा?
- पुलिस को मिला बड़ा सुराग

अयोध्या. अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले में बुधवार को एक नया और बड़ा मोड़ आ गया है। इस घोटाले की जांच कर रही स्पेशल टीम (SIT) को मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला के घर से लकड़ी की एक गुप्त दान पेटी मिली है, जिस पर 'रामराज्य कोष' लिखा हुआ है।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस दान पेटी पर डिजिटल चंदा लेने के लिए एक QR कोड भी चिपका हुआ था। पुलिस को शक है कि इस पेटी और QR कोड का इस्तेमाल मंदिर परिसर से बाहर भक्तों से अवैध रूप से चंदा वसूलने के लिए किया जा रहा था।

कोर्ट ने SIT को इस मामले की गहराई से जांच करने के लिए 15 दिनों का अतिरिक्त समय दे दिया है। अब पुलिस इन डिजिटल ट्रांजैक्शन की कड़ियों को जोड़ेगी।

फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स अब इस QR कोड की जांच करेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह किस बैंक खाते से जुड़ा था, इसे किसने बनवाया था और अब तक इसके जरिए कुल कितना पैसा बटोरा गया है। SIT की शुरुआती जांच में मंदिर के अंदर चंदा संभालने के तरीकों में कई बड़ी खामियां और लापरवाहियां सामने आई हैं।

क्या ये है नकली दान पेटी?

पुलिस अब जांच कर रही है कि क्या भगवान राम के नाम पर इस नकली दान पेटी और QR कोड के जरिए भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर पैसा सीधे आरोपियों के खातों में ट्रांसफर किया जा रहा था।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

नई दिल्ली. जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा।

ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

सिया ने मर्डर से ठीक पहले क्यों छीन लिया उसका फोन?

- केतन को पहले ही हो गया था शक?

पुणे. पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड में हर दिन थ्रिलर फिल्म की तरह खुलासे हो रहे हैं। केतन की मंगेतर सिया गोयल ने जिस चालाकी से प्रेमी चेतन चौधरी संग मिलकर केतन को मारने की साजिश रची, उससे पुलिस भी हैरान है। दोनों ने हत्या के बाद पुलिस से बचने के लिए भी पूरा प्लान तैयार कर लिया था। सिया और चेतन ने इसे एक्सीडेंट का रूप देने के लिए पूरी चालाकी की, लेकिन अब पुलिस जांच में सारे खुलासे हो रहे हैं। इस बीच जांच में यह बात सामने आई है कि सिया गोयल ने केतन को लोहगढ़ किले में खाई में धक्का देने से पहले उसका फोन तक ले लिया था। पुलिस को शक है कि सिया ने सबूत मिटाने के लिए ऐसा किया।

पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, जांच में यह सामने आया कि केतन को कथित तौर पर धक्का देने के बाद उसका मोबाइल फोन सिया के पास था। उन्होंने बताया, 'बाद में सिया ने यह फोन केतन के परिवार को सौंप दिया। हम यह जांच कर रहे हैं कि जब फोन सिया के पास था तो उसमें से कहीं कोई महत्वपूर्ण सबूत मिटाया गया या उससे छेड़छाड़ तो नहीं की गई।' इससे पहले 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले पर सिया गोयल और चेतन ने केतन को एक खाई में धक्का दे दिया था। केतन और सिया की सगाई हो चुकी थी और शादी इसी साल नवंबर में होने वाली थी। फिलहाल सिया और चेतन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें तीन जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

T20I रैंकिंग में हुआ तख्तापलट

ईशान किशन बने नंबर-1 बल्लेबाज

- 6 महीने के अंदर हिलाया अभिषेक शर्मा का सिंहासन

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बुधवार को पुरुष टी20 खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें बल्लेबाजों की लिस्ट में तख्तापलट हुआ। भारत के विकेटकीपर ईशान किशन नए नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक पायदान चढ़कर हमवतन अभिषेक शर्मा से नंबर-1 का ताज छीना है। ईशान के खाते में फिलहाल 876 रेटिंग अंक हैं। अभिषेक 869 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय ओपनर करीब 12 महीनों से टॉप पर था लेकिन ईशान ने महज 6 मीहनों के अंदर उनका सिंहसान हिला दिया।

- ईशान ने जनवरी में वापसी की थी

दरअसल, ईशान ने दो साल भारतीय टीम से बाहर रहने के बाद इस साल जनवरी में इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने पिछले कुछ महीनों में समेत शानदार प्रदर्शन किया लेकिन हाल ही में आयरलैंड दौरे पर कुछ खास नहीं कर पाए। उन्होंने यहां एक रन के अलावा 12 का स्कोर बनाया। अभिषेक ने आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 49 रनों की पारी खेली थी जबकि दूसरे मैच में गोल्डन डक का शिकार हुए। भारत को सीरीज में 0-2 से ऐतिहासिक हार मिली थी।

- ईशान ने खास क्लब में एंट्री मारी

ईशान ने एक खास क्लब में एंट्री मारी है। वह टी20 बैटर्स की रैंकिंग में टॉप पोजीशन पर पहुंचने वाले भारत के चौथे पुरुष क्रिकेटर बन गए हैं। ईशान, अभिषेक के अलावा विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव ने यह कारनामा अंजाम दिया। सूर्या अब भारतीय टीम से बाहर हैं। उनसे कप्तानी भी छीनी जा चुकी है। वह एक स्थान लुढ़कर आठवें पर चले गए हैं। टॉप-10 में चार भारतीय बल्लेबाज हैं। तिलक वर्मा छठे नंबर पर बरकरार हैं। उन्होंने दूसरे मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे नंबर पर हैं।

- ऑलराउंडर शिवम दुबे आगे बढ़े

वहीं, आयरलैंड के कप्तान और बल्लेबाज लोरकन टकर (चार पायदान ऊपर 77वें पर) और रॉस अडायर (छह पायदान ऊपर 84वें पर) ने भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के बाद रैंकिंग में सुधार किया है। तेज गेंदबाज मैथ्यू हम्फ्रीज (एक पायदान ऊपर 25वें पर) ने सीरीज में चार विकेट लिए। उन्होंने T20I बॉलर्स की लिस्ट में अपने करियर की सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल की है। अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान नंबर-1 टी20 गेंदबाज हैं। भारत के शिवम दुबे (तीन पायदान ऊपर सातवें पर) और आयरलैंड के गैरेथ डेलानी (चार पायदान ऊपर 24वें पर) और हैरी टेक्टर (आठ पायदान ऊपर 38वें पर) ने ऑलराउंडर्स की अपडेटेड रैंकिंग में आगे बढ़े हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 ऑलराउंडर हैं।

अब यूजरनेम से भी होगी WhatsApp पर चैट

- बुकिंग शुरू
- बिना मोबाइल नंबर बताए बातचीत भी कर सकेंगे

अब तक वॉट्सएप पर किसी नए व्यक्ति से बात करने के लिए मोबाइल नंबर देना जरूरी होता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मेटा के स्वामित्व वाले वॉट्सएप ने यूजरनेम फीचर लॉन्च करने का ऐलान किया है। इसके बाद लोग अपना मोबाइल नंबर बताए बिना भी सिर्फ यूजरनेम के जरिए चैट कर सकेंगे।

कंपनी ने 29 जून से दुनियाभर में यूजरनेम की बुकिंग शुरू कर दी है। हालांकि यह सुविधा सभी यूजर्स को एक साथ नहीं मिलेगी। आने वाले कुछ महीनों में इसे धीरे-धीरे सभी देशों में रोल आउट किया जाएगा। जब यह फीचर यूजर के इलाके में उपलब्ध होगा, तब उसके वॉट्सएप के अंदर नोटिफिकेशन मिलेगा।

सबसे पहले जानें, जल्दी यूजरनेम बुक करना क्यों जरूरी है

दुनियाभर में करोड़ों यूजर्स एक जैसे या मिलते-जुलते यूजरनेम चुन सकते हैं। ऐसे में जो लोग पहले अपना यूजरनेम रिजर्व करेंगे, उन्हें अपनी पसंद का यूजरनेम मिलने की संभावना ज्यादा होगी।

WhatsApp के हेड कुणाल शाह ने X पर लिखा - सही समय ही सब कुछ है। दुनिया भर में यह फीचर जारी होने से पहले ही WhatsApp से जुड़ें और अपना यूजरनेम सुरक्षित कर लें। अब अपनी पसंद का यूजरनेम लेने का समय है। लोगों से जुड़ने का एक अधिक निजी (प्राइवेट) तरीका जल्द ही आपके WhatsApp पर आने वाला है।

व्हाट्सएप में यूजर नेम ऐसे रिजर्व करें....

1. वॉट्सएप को लेटेस्ट वर्जन में अपडेट करें।
2. Settings में जाएं।
3. Account पर टैप करें।
4. Username विकल्प चुनें।
5. उपलब्ध यूजरनेम चुनकर कन्फर्म करें।

इस नए फीचर से क्या बदलेगा

- यूजरनेम फीचर आने के बाद कुछ स्थितियों में फोन नंबर अपने-आप दिखाई नहीं देगा। इनमें शामिल हैं:
- जब आपको किसी बड़े ग्रुप चैट में जोड़ा जाएगा।
- जब आप पहली बार किसी व्यक्ति को मैसेज करेंगे।
- इस बदलाव से आपका फोन नंबर निजी (प्राइवेट) रहेगा।

मोदी कैबिनेट से किसकी होगी छुट्टी और किसे मिलेगा इनाम?

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कैबिनेट में एक बार फिर बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। आगामी मॉनसून सत्र और अगले साल कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए मंत्रिमंडल में कई अहम बदलाव किए जाने की उम्मीद है। आइए जानते हैं कि यह कैबिनेट विस्तार कब हो सकता है, किन चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है और किन दिग्गजों की छुट्टी होने की संभावना है।

संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। कैबिनेट विस्तार की टाइमिंग को लेकर दो तरह की चर्चाएं हैं।

जुलाई या सितंबर-अक्टूबर: कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, फेरबदल मॉनसून सत्र से पहले जुलाई में ही हो सकता है। वहीं, कुछ सूत्रों का मानना है कि सरकार का पूरा फोकस फिलहाल आगामी सत्र में 'वन नेशन वन इलेक्शन' और परिसीमन जैसे अहम बिलों को पास कराने पर है। चूंकि राज्यसभा-लोकसभा में सरकार के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है, इसलिए असंतोष से बचने के लिए फेरबदल को सितंबर-अक्टूबर तक भी टाला जा सकता है।

पीएम मोदी का व्यस्त कार्यक्रमः पीएम मोदी के पास समय की काफी कमी है। वे 1 से 3 जुलाई तक जापानी प्रधानमंत्री के दौरे में व्यस्त रहेंगे, 4 जुलाई को राजस्थान जाएंगे और 6 से 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के दौरे पर रहेंगे। ऐसे में मॉनसून सत्र से पहले सिर्फ 5 जुलाई का दिन ही बचता है।

जनरल धीरज सेठ बने नए सेना प्रमुख

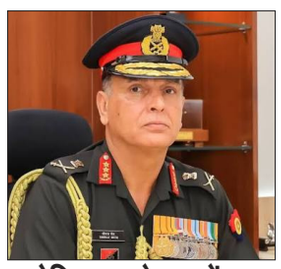

- रेगिस्तान से पहाड़ों तक पर जंग का अनुभव

नई दिल्ली. वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को नए सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उनके नाम पश्चिमी मोर्चे पर सेना की दो अभियानगत सैन्य कमान के नेतृत्व की विशिष्ट उपलब्धि दर्ज है। जनरल सेठ ने 13 लाख सैनिकों वाली सेना की कमान ऐसे समय में संभाली है जब वह सीमाओं पर चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जनरल सेठ ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह ली है जो सशस्त्र बलों में 40 साल से अधिक के शानदार करियर के बाद मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए।

संक्षेप...

दुकान के बाहर से इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी

कल्याण. मानपाड़ा थाना क्षेत्र में दुकान के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता रितेश प्रविण शाह (46) ने बताया कि उनकी करीब 50 हजार रुपये कीमत की इलेक्ट्रिक स्कूटी डोंबिवली पूर्व स्थित इंद्रायणी डिस्ट्रीब्यूटर्स के बाहर से चोरी हो गई। पुलिस चोर की तलाश में जुटी है।

बुजुर्ग के घर से 1.15 लाख के जेवर चोरी

कल्याण. टिलकनगर थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग के घर से 1.15 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता मंसूर जकिउद्दीन कलकत्तावाला (82) ने पुलिस को बताया कि 9 जून से 28 जून के बीच किसी अज्ञात चोर ने उनके खंबालपाड़ा स्थित घर में अलमारी से सोने के आभूषण चुरा लिए। टिलकनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भिवंडी में चारों तरफ पानी ही पानी

- नाला, गटर की सफाई पर लगा प्रश्नचिन्ह ?
- सफाई ठेकेदारों की लापरवाही से शहर बना तालाब

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा बरसात में शहरवासियों की सुविधा की खातिर नाला,गटर सफाई की खातिर करीब 3 करोड़ रुपए की राशि खर्च करने के बावजूद 1-2 घंटे की अल्प बारिश में ही भिवंडी शहर की हालत तालाब जैसी दिखाई पड़ती है.शहर के तमाम नालों,गटरों की ठीक से सफाई नहीं होने के कारण प्रत्येक मार्ग पर भारी जलजमाव होने से लोगों को वाहन और पैदल चलने में भी भारी दुश्वारी झेलनी पड़ रही है.नाला,गटर सफाई को लेकर महापौर नारायण चौधरी की तमाम कोशिशों पर भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों की कारगुजारी से पानी फिर गया है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा नाला,गटर सफाई का निकाला गया टेंडर सहायक आयुक्त फैसल तातली से साठगांठ कर जनप्रतिनिधियों ने लेकर दिहाड़ी मजदूरों की मदद से सफाई की शुरुवात बेहद धीमी गति से की.शहर के जागरूक नागरिकों का आरोप है कि, नाला सफाई शुरू होने के करीब 25 दिन बाद भी शहर के अधिकांश नाला,गटर सफाई से कोसों दूर हैं.बारिश होने पर कचरा पानी,बहकर सड़क की शोभा बढ़ा रहा है. शहर के प्रमुख मार्गों अंजूरफाटा- धामनकर मार्ग,कल्याण मार्ग से बंजार पट्टी नाका,कल्याण मार्ग से राजनौली नाला बायपास, तीन बत्ती,घूंघट नगर, गोपाल नगर,आजमी नगर, पटेल नगर, गुलज़ार नगर,खोका कंपाउंड,भारत कंपाउंड, मूलचंद कंपाउंड, म्हाडा कालोनी,बारीकियां कंपाउंड आदि क्षेत्रों सहित पावरलूम एरिया में नाला,गटर की ठीक से सफाई नहीं होने से रोड,गली,मुहल्ले में तालाब जैसी दशा हो चुकी है.सड़कों पर भरे पानी में घुस कर गुजरना लोगों की मजबूरी है.

शीर्ष अधिकारी नाट रिचेबल

शहर की समस्याओं के बारे में संपर्क करने पर संबंधित मनपा अधिकारी जागरूक नागरिकों का फोन भी नहीं उठाते हैं. 'आई बिल काल यू लेटर' लिखकर पल्ला झाड़ते हैं.मीटिंग,वीसी होने का झूठा पाठ पढ़ाते हैं. थकहार कर जागरूक लोग भी चुप बैठ जाते हैं.मनपा का कोई भी अधिकारी जन समस्याओं को समझकर समाधान की खातिर कोई जरूरी कदम नहीं उठाते हैं.मनपा के अधिकांश भ्रष्ट अधिकारियों को सिर्फ पैसा कहाँ से कमाएं उसी में बिजी रहते हैं.उन्हें जनसमस्या निराकरण की कोई चिंता नहीं. मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली का आलम यह है कि आयुक्त, उपायुक्त की मेहरबानी से तमाम भ्रष्ट, कामचोर मनपा कर्मी मलाईदार पदों पर अधिकारी बन बैठे हैं.ईमानदार,काम करने वाले मनपा कर्मी साइड में बैठा दिए गए हैं जिससे शहर का सत्यानाश हो रहा है. भिवंडी मनपा में आईएएस आयुक्त की कोई धमक,डर नहीं होने से भ्रष्ट अधिकारियों की बल्ले बल्ले है. अपना भिवंडी शहर सत्या नाश हो उनकी बला से.मनपा के जनप्रतिनिधि भी भ्रष्ट,कामचोर अधिकारियों के बहकावे में आकर चुनाव जीतने के पूर्व वोटरों से किया शहर विकास का वादा कमोवेश भूलने लगे हैं,उन्हें भी आर्थिक लाभ मिले यही चिंता दिखाई पड़ती है.

3 करोड़ खर्च फिर भी लोग पानी से गुजरने को मजबूर

सूत्रों की माने तो नाला,गटर सफाई का टेंडर विगत वर्ष से करीब 1 करोड़ ज्यादा है . करीब 3 करोड़ की राशि खर्च के बाद भी शहर में जलजमाव होना मनपा प्रशासन,जनप्रतिनिधि के लिए गंभीर चिंता,चिंतन का विषय होना चाहिए .शहर की तीन बत्ती भाजी मार्केट,गुलज़ार आइस्क्रीम मार्ग,निजाम पूरा रोड तो बारिस में चलने लायक ही नहीं है .खराब,बदहाल सड़क के गड्ढों में भरा पानी खतरे को दावत दे रहा है .शहर विकास के नाम पर सड़क के तमाम प्रमुख मार्गों के किनारे शुरू खुदाई से हुए गड्ढों में पानी भरने से लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं .लोगों का आरोप है कि,नाला,गटर से निकाला कचरा नहीं उठाने से दुबारा पानी में बहकर नाला में जा रहा है .शिकायत के बाद भी ठेकेदार कोई ध्यान नहीं देते हैं .आश्चर्यजनक है कि, मनपा प्रशासन आंखे मूंदे कुछ करने के बजाय तमाशबीन बना दिखाई पड़ता है .

सचिन अहिर बने विधान परिषद के उप सभापति

मुंबई. शिवसेना यूबीटी को लगातार दूसरे दिन झटका लगा है। पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में गए सचिन अहीर को बुधवार को विधान परिषद का उपसभापति चुन लिया गया था। खास बात है कि चुनाव से ठीक पहले ही उन्होंने दल बदल का ऐलान किया था, जिसके बाद शिवसेना ने उन्हें अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था। इससे पहले वह उद्धव गुट से एमएलसी थे।

अहीर सत्तारूढ़ महायुति के उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध विधान परिषद के उपसभापति चुने गए हैं। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, निवर्तमान उपसभापति नीलम गोरे और मंत्री चंद्रकांत पाटिल की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। दरअसल, महाविकास अघाड़ी प्रत्याशी जेएम अभ्यंकर ने अपना नामांकन वापस ले लिया था।

पहले एनसीपी में थे अहीर

अहीर का शिंदे खेमे में जाना उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। उनका जाना विशेष रूप से मुंबई के वर्ली निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी का कमजोर होना तय है। अहीर ने नब्बे के दशक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी और बाद में वे अविभाजित शिवसेना में शामिल हो गए थे। उन्हें आदित्य ठाकरे का एक बेहद भरोसेमंद सहयोगी माना जाता था।

अब विधायक टूटने की आशंका

वार्ता ने राजनीतिक विश्लेषकों के हवाले से बताया कि अहीर के पाला बदलने के बाद उद्धव गुट के विधायक भी बड़ा फैसला ले सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है।

महापौर-आयुक्त ने इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर से बारिश का लिया जायज़ा

- आपदा से निपटने के लिए संबंधित विभाग को दी सूचना

कल्याण. पिछले दो दिनों से कल्याण-डोंबिवली मनपा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के मद्देनज़र महापौर एड.हर्षाली चौधरी और आयुक्त अभिनव गोयल ने मुख्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (ICCC) से स्थिति का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने ICCC में उपलब्ध लाइव कैमरों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों की निगरानी की तथा जिन स्थानों पर जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है, वहां प्राप्त शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों एवं जलभराव वाले स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे यदि खराब हों तो संबंधित प्राधिकरण के माध्यम से उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए। साथ ही कंट्रोल रूम में शिकायतों के रजिस्टर का भी प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

अगले चार दिनों के लिए ठाणे जिले में शासन द्वारा ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। महानगरपालिका मुख्यालय तथा सभी प्रभागों में 24×7 आपदा प्रबंधन कक्ष स्थापित किए गए हैं, जहां कर्मचारी लगातार कार्यरत हैं। प्राप्त शिकायतों के अनुसार महानगरपालिका का कर्मचारी वर्ग त्वरित कार्रवाई कर रहा है। प्रशासन किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हेल्पलाइन नंबर

वर्षा संबंधी किसी भी शिकायत के लिए नागरिक महानगरपालिका के हेल्पलाइन नंबर 0251-2211866 / 1800-233-0045 / 0251-2211373 / 1800-233-7383 / 1800-233-4392 पर संपर्क कर सकते हैं।

ऑरेंज अलर्ट को ध्यान में रखते हुए महापौर एड.हर्षाली चौधरी और आयुक्त अभिनव गोयल ने नागरिकों से अपील की कि अगले चार दिनों तक अत्यंत आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें तथा महानगरपालिका प्रशासन का सहयोग करें। इस अवसर पर शहर अभियंता अनीता परदेशी, आपदा प्रबंधन विभाग के उपायुक्त बालासाहेब चव्हाण, सिस्टम मैनेजर प्रमोद कांबले, कार्यकारी अभियंता शैलेश मलेकर, शैलेश कुलकर्णी, आपदा प्रबंधन विभाग के सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्राइवेट स्कूल में एडमिशन के लिए रिश्वत लेते 2 लोग रंगे हाथ गिरफ्तार

- ठाणे में एंटी-करप्शन ब्यूरो की कार्रवाई

ठाणे. एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) ने ठाणे के एक प्राइवेट स्कूल में क्लास 6 में एडमिशन के लिए रिश्वत मांगते और लेते हुए दो लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। इस कार्रवाई ने एक बार फिर प्राइवेट एजुकेशनल एडमिशन प्रोसेस में गड़बड़ियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।ACB के मुताबिक, आरोपियों ने राबोडी की एक शिकायत करने वाली महिला की बेटी का घोड़बंदर रोड इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में एडमिशन कराने के लिए 1 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। वेरिफिकेशन के बाद ACB ने जाल बिछाया।शिकायत सही पाए जाने के बाद, आरोपियों ने रिश्वत की रकम में से 77,300 रुपये लिए और उन्हें एंटी-करप्शन ब्यूरो टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में फातिमा अंसारी (उम्र 35, निवासी राबोडी, ठाणे) और चैतन्य प्रदीप प्रधान (निवासी ठाणे) के खिलाफ आगे का केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है, और ACB ने बताया है कि राबोडी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।इस ऑपरेशन को सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस शिवराज पाटिल, एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस सुधाकर शिंदे और डिप्टी सुपरिटेंडेंट भागवत सोनवणे ने गाइड किया। जबकि पुलिस इंस्पेक्टर संतोष नवलगी की टीम ने इस सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया।

खराब तेल से बन रही थी पानीपुरी

- KDMC ने कारखाने पर मारा छापा

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका ने सेव पूरी और पानीपुरी के अवैध कारखाने पर छापा मारकर कारखाने को सील कर दिया है। कल्याण पूर्व के काटेमानिवली इलाके में यह कारखाना मौजूद है, जहां गंदगी के बीच पानी पूरी में लगने वाली पूरियां तैयार की जा रही थी। छापेमारी के दौरान कारखाने में बड़े पैमाने पर अस्वच्छता पसरी हुई थी। निकृष्ट और खराब तेल का उपयोग कर सेव पूरी और पानीपुरी की पूरियां तली जा रही थी। महानगरपालिका ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कारखाना सील किया और बड़े पैमाने पर सामग्री भी जब्त की। खबर लिखे जाने तक नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले कारखाना चालक पर कानूनी कार्रवाई कर केस दर्ज करने की प्रक्रिया जारी रही।

मतदाता सूची सत्यापन अभियान में सहयोग करें

- शिवसेना नगरसेवक महेश सुखरामानी की नागरिकों से अपील

उल्हासनगर. शिवसेना के नगरसेवक महेश सुखरामानी ने सभी मतदाताओं से निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे Special Intensive Revision (SIR) अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक समय पर अपने मतदाता संबंधी विवरण का सत्यापन कराए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

उन्होंने बताया कि बूथ लेवल अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। प्रत्येक मतदाता को फॉर्म में आवश्यक जानकारी भरकर अपना पासपोर्ट साइज फोटो लगाना होगा तथा स्वयं हस्ताक्षर अथवा अंगूठे का निशान करना होगा। एक प्रति अपने पास रखनी है, जबकि दूसरी प्रति BLO को जमा करनी होगी।

महेश सुखरामानी ने जानकारी दी कि 40 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को वर्ष 2002 की मतदाता सूची में अपना क्रमांक एवं भाग क्रमांक बताना होगा। वहीं 40 वर्ष से कम आयु के मतदाताओं को अपने माता-पिता, दादा-दादी अथवा नाना-नानी में से किसी एक का वर्ष 2002 की मतदाता सूची का क्रमांक बताना होगा। BLO के पास संबंधित मतदाता सूची उपलब्ध रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर वे जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि विवाहित महिलाओं को अपने मायके से संबंधित जानकारी, जैसे माता-पिता, दादा-दादी आदि के विवरण की पुष्टि करनी होगी। नगरसेवक महेश सुखरामानी ने स्पष्ट किया कि जो मतदाता निर्धारित फॉर्म भरकर जमा नहीं करेंगे, उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सकेगा। इसलिए सभी नागरिक समय रहते प्रक्रिया पूरी करें और पहले से दो पासपोर्ट साइज फोटो तैयार रखें। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे स्वयं इस अभियान में भाग लें तथा अपने परिवार, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची सत्यापन के प्रति जागरूक करें, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग कर सके.

THE NAVJEEVAN CO.OP. BANK LTD. ESTD : 1985

नवजीवन को आपरेटिव बैंक लिमिटेड

NAV JEEVAN CO-OP. BANK

Head Office:
Bhawani Saw Mills Compound,
Ulhasnagar-3.
☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523
Visit us at: www.navjeevanbank.com

SERVICES AVAILABLE

Features and Services of Bank

- Different types of Deposits Schemes with Attractrive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners

Upcoming Service

Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

नरगिस फाखरी ने जयपुर में खुद बनाई कुल्हड़ वाली चाय

- लग्जरी कार छोड़ ई-रिक्शा में घूमीं

बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस फाखरी इन दिनों अपने जयपुर दौरे को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'जयपुर को खूबसूरत दिखाने के लिए किसी फिल्टर की जरूरत नहीं थी... और मुझे भी नहीं'

कैप्शन के साथ एक वीडियो साझा किया गया है, जिसमें पिंकसिटी की खूबसूरती, यहां की संस्कृति, खानपान और आम जिंदगी को बेहद खूबसूरत अंदाज में दिखाया गया है। वीडियो में नरगिस किसी सेलिब्रिटी की तरह नहीं, बल्कि एक आम पर्यटक की तरह जयपुर की गलियों में घूमती, स्थानीय लोगों से मिलती और शहर के रंग में रंगी नजर आती हैं।

वीडियो की शुरुआत जयपुर की ऐतिहासिक और गुलाबी इमारतों से होती है। इसके बाद नरगिस को शहर की संकरी और रंग-बिरंगी गलियों में घूमते, बाजारों की रौनक निहारते और स्थानीय संस्कृति को करीब से महसूस करते देखा जा सकता है।

उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि जयपुर की असली खूबसूरती उसकी विरासत, लोग और रोजमर्रा की जिंदगी में बसती है, जिसे किसी फिल्टर की जरूरत नहीं। यहां उन्होंने कठपुतली के साथ जयपुर की कहानी को एन्जॉय किया, यहां की ज्वैलरी को भी अपने साथ जोड़ते हुए दिखाया।

वीडियो का सबसे चर्चित हिस्सा वह रहा, जब नरगिस जयपुर की मशहूर साहू टी स्टॉल पर पहुंचीं। यहां उन्होंने खुद चाय बनाना सीखा, चाय को अपने हाथों से तैयार किया और फिर कुल्हड़ में बैठकर उसका स्वाद लिया। फाइव स्टार लाइफस्टाइल की आदी मानी जाने वाली अभिनेत्री का यह सादगीभरा अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

बीयर बोतल से युवक पर हमला

कल्याण. कल्याण पश्चिम में मामूली बातचीत के दौरान एक युवक पर कांच की बीयर की बोतल से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। महात्मा फुले चौक पुलिस ने एक नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता रोहन संजय करंदीकर (24) अपने दोस्त यश गावडे के साथ 30 जून की सुबह करीब 4.30 बजे स्कूटर से कल्याण स्टेशन की ओर जा रहे थे। ममता मेडिकल के सामने परिचित मजहर फिरोज शेख उर्फ मुज्जु ने उन्हें आवाज देकर रोक लिया। इसी दौरान एक एमजी हेक्टर कार से पहुंचे कार्तिक कोटक और उसके तीन साथियों ने बिना किसी कारण रोहन के सिर पर कांच की बीयर की बोतल से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए मजहर और यश गावडे के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डोहोले ग्रुप ग्राम पंचायत ने किया वृक्षारोपण

भिवंडी. भिवंडी तालुका के डोहोल ग्रुप ग्राम पंचायत की तरफ से वट पूर्णिमा के मौके पर पर्यावरण बचाने का मैसेज देने के लिए पेड़ लगाने का प्रोग्राम किया गया. गांव के कब्रिस्तान और पूजा घाट एरिया में बरगद के पेड़ लगाकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया गया. प्रोग्राम में ग्राम पंचायत के कर्मचारियों, स्थानीय नागरिकों और गांववालों ने जोश के साथ हिस्सा लिया. पेड़ लगाने के साथ-साथ, मौजूद लोगों ने हर पेड़ की रेगुलर देखभाल और बचाव की ज़िम्मेदारी लेने का भी पक्का इरादा जताया.

इस मौके पर पंचायत अधिकारी परेश सोनवणे ने कहा कि पर्यावरण का बैलेंस बनाए रखना आज की ज़रूरत है. आने वाली पीढ़ियों को साफ़, हरा-भरा और हेल्दी माहौल देने के मकसद से ग्राम पंचायत की तरफ से लगातार पेड़ लगाने के काम किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के साथ-साथ उन्हें बचाना भी उतना ही ज़रूरी है.

प्रोग्राम में डोहोल ग्रुप ग्राम पंचायत प्रशासक, कमेटी सदस्य, ग्राम पंचायत कर्मचारी और बड़ी संख्या में गांववाले मौजूद थे.ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा अपील की गई कि हर नागरिक कम से कम एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने का वादा करे.पर्यावरण बचाने के लिए ग्राम पंचायत की पहल का गांव वालों ने स्वागत किया.

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099